IJARSCT
ISSN (Online) 2581-9429
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology (IJARSCT)
IJARSCT onal Open-Access, Double-Blind, Peer-Reviewed, Refereed, Multidisciplinary Online Journal
Impact Factor: 4.819
Volume 8, Issue 1, August 2019

Hkkjr e vkink çcU/ku dk ,d vkfFkd ifj–';

डॉ0 राजेश कुमार यादव
असि0प्रो0 अर्थशास्त्र
रमाबाई राजकीय महिला स्ना0 महाविद्यालय
अकबरपुर, अम्बेडकरनगर

आपदा का तात्पर्य कोई साधारण घटना नहीं है बल्कि यह असमायोजित एवं असहनीय विपदा है, जो जनमानस को गम्भीर से गम्भीर नुकसान पहुँचाती है। दुनिया के लगभग हर भाग में आपदाएं मिलती हैं अथवा होती हैं। आपदायें दो प्रकार की होती हैं। प्रथम आपदा प्राकृतिक आपदा होती है, जबकि दूसरी आपदायें मानवीकृत होती हैं। मानवीकृत आपदायें हों या प्राकृतिक आपदायें दोनों में जनमानस की भारी क्षति होती है। विश्व बैंक की प्राकृतिक खतरे और आपदायें शीर्षक के एक रिपोर्ट में कहा गया है कि बाढ़ और तूफान दुनिया भर में आते हैं, जबकि अफ्रीका में अक्सर सूखा पड़ता रहता है। दुनिया के जो भू–भाग बार–बार पड़ने वाले सूखे और बाढ़ से प्रभावित होते हैं, वही पर दुनिया की अधिकांशतः वह आबादी रहती है जो भूख और गरीबी से ग्रसित है। सम्भावना है कि जलवायु परिवर्तन से यह स्थिति और गम्भीर हो सकती है। इसलिए इस बात की सख्त जरूरत है कि प्राकृतिक आपदाओं के निवारण, शमन और प्रबन्धन के लिए प्रभावशाली और व्यापक कदम उठाये जायें। ये आपदायें अक्सर आती हैं।